Hubli Airport

319. SHRI J. P. JAVALI: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Hubli Airport, which was brought into operation for a short period has become defunct; and

(b) if so, what are the reasons therefor and what action is being taken to commence operations from the airport?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION (SHRI HARMOHAN DHAWAN): (a) and (b) The operation of Vayudoot to Hubli was discontinued in September, 1989 on account of shortage of aircraft and commercial reasons. There is no plan to restart Vayudoot's operation on Hubli.

Upgrading Ahmedabad Airport

320. SHRI VITHALBHAI PATEL: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Expert Committee appointed by his Ministry has stated in their report that Ahmedabad has the potential of international airport;

(b) whether it is also a fact that there is a strong demand from Gujarat Government and the NR Is to convert Ahmedabad as an international airport; and

(c) if so, what steps Government propose to take to make Ahmedabad an international airport?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION (SHRI HARMOHAN DHAWAN): (a) The Committee has recommended limited international operations by Air India/ Indian Airlines from Ahmedabad airport.

(b) Yes, Sir.

(c) Work relating to the upgradation of the facilities at Ahmedabad airport to cater to limited international operations is already in progress. It is also proposed to start limited international air services by Air India directly from the Ahmedabad airport with effect from 26th January, 1991.

वायदूत में कर्मचारियों की अधिक संख्या के कारण उसे हुआ घाटा

321. श्रीमती सूर्यकांता पाटील :
कुमारी चन्द्रिका प्रेमजी केनिया:

क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि वायुदूत में पिछले वर्ष लगभग 30 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है जिसका मुख्य कारण वहां पर कर्मचारियों की अधिक संख्या पुराने विमानों का उपयोग में लाया जाना, तथा ईंधन की अधिक खपत का होना है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि वायुदूत ने उपनी उडानों की संख्या 105 से घटाकर 55 करने का निर्णय किया है ;

(ग) यदि हां, तो क्या वहां के फालतू कर्मचारियों की छंटनी की जाएगी ; और

(घ) वायुदूत में हो रहे घाटे में कमी लाने के लिये सरकार द्वारा क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री हरमोहन धवन) : (क) जी, हां ।

(ख) जी, हां ।

(ग) इस समय, कम्पनी का अपने नियमित कर्मचारियों की छंटनी करने की कोई योजना नहीं है ।

(घ) वायुदूत अपने मार्ग नेटवर्क को युक्तिसंगत बनाने के लिए कदम उठा रहा है । कम यात्रा भार गुणक वाले सैक्टरों की सेवाओं को कम करने से नेटवर्क में स्टेशनों की संख्या पहले से कम होकर 55 हो गई है ।